

श्री जैन सत्य प्रकाश

(मासिक पत्र)

विषय-दर्शन

- १ श्री तालध्वजगिरिमंडन-सत्यदेव-स्तोत्रम् :
आचार्य महाराज श्रीमद् विजयपद्मसूरिजी ३५६
- २ द्विभ्रमरौती उत्पत्ति : आचार्य महाराज श्रीमत् साधरानंदसूरिज ३५४
- ३ प्रभु श्री महावीरुं तत्त्वज्ञान : आचार्य महाराज श्रीमद् विजयवल्लभसूरिज ३५६
- ४ भण्डिपुत्र ओशाद : मुनिराज श्री विद्याविजयज ३६३
- ५ पक्षीवाल नेमः अने तेना कुटुम्बनां धर्मकार्यो : मुनिराज श्री नयंतविजयज ३६८
- ६ जैनपुरीनां जिनमहिरीनी अपूर्व कथा : श्रीयुत सारामाज भण्डिवाल नवाय ३७३
- ७ यतिमर्यादा-पट्टक : उपाध्याय महाराज श्री यतीन्द्रविजयजी ३७६
- ८ दिगम्बर शाख कैसे बनें : मुनिराज श्री दर्शनविजयजी ३७९
- ९ महाप्राचीन श्री कोशापीनगरी : आचार्य महाराज श्रीमद् विजयपद्मसूरिज ३८३
- १० पुरातन इतिहास अने स्थापत्य,
(१) प्राचीन लेख संग्रह (१० लेख) : मुनिराज श्री नयंतविजयज ३८५
- ११ श्री महावीर जिनश्राद्धकुलकम् : उपाध्याय महाराज श्री यतीन्द्रविजयजी ३८८
- समाचार : : पृ. ३६० नी सामे

: पूज्य मुनिराजेने विज्ञप्ति :

जे पूज्य मुनिराजेने " श्री जैन सत्य प्रकाश " भोक्कवामां आवे छे, तेज्येज्ये पोताना विहारदिक्का कारखे अह्वातुं सरनामुं, दरेक महिनीनी शुद्धा नीज पडेवां अपने लणी ज्ञानाववा कृपा करवी; जेथी मासिक जेरवद्वे न जतां वपतसर भणी शके.

: सूचना :

परमपूज्य आचार्य महाराज श्रीमद् विजयवावण्यसूरिजते "समीक्षा अमाविष्करण" शीर्षक आलु लेख आ अंकमां आपी शक्यो नथी.